CRRI NEWSLETTER

CENTRAL RICE RESEARCH INSTITUTE
INDIAN COUNCIL OF AGRICULTURAL RESEARCH
CUTTACK (ODISHA) 753 006, INDIA

Phone: 91-671-2367768-83 | *Fax:* 91-671-2367663 | *Telegram:* RICE
Email: crrictc@ori.nic.in *or* ctk_crriinfo@sancharnet.in *or* directorcrri@satyam.net.in
URL: http://www.crri.nic.in

Vol.32; No.3/2011 ISSN 0972-5865 July–September 2011

Times of India-Tefla's Award for CRRI

THE *Times of India* and Tefla's "Think Odisha Leadership Award for Educational Institute of Excellence 2011" was awarded to the CRRI for its path-breaking rice research that led to the development of various technologies for the upliftment of farmers. Some of these technologies involved tapping genetic resources for breeding rice varieties with higher yield potential, better grain quality and increased tolerance to diseases and pests. Dr T.K. Adhya, Director, CRRI received the Award from Shri Naveen Patnaik, Hon'ble Chief Minister of Odisha on 27 Aug 2011 in Bhubaneswar.

Courtesy: The Times of India

सीआरआरआई को *टाइम्स ऑफ इंडिया*-टेफ्ला द्वारा पुरस्कृत

द *टाइम्स ऑफ इंडिया* तथा टेफ्ला ने केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान को किसानों के उत्थान हेतु सीआरआरआई द्वारा चावल अनुसंधान में विभिन्न बेहतरीन प्रौद्योगिकियां विकसित करने के लिए 'थींक ओडिशा लीडरशिप अवार्ड फॉर एडुकेशनल इनस्टिट्यूट ऑफ एक्सेलेंस २०११' पुरस्कार प्रदान किया। इन प्रौद्योगिकियों में अधिक उपज क्षमता, बेहतर गुणवत्ता वाले दाने तथा रोग एवं कीट सहिष्णुता वाली प्रजनन चावल किस्मों के लिए आनुवंशिक संसाधनों का प्रयोग शामिल है। श्री नवीन पटनायक, माननीय मुख्यमंत्री, ओडिशा ने २७ अगस्त २०११ को भुवनेश्वर में आयोजित समारोह में डॉ. टी.के. आध्या, निदेशक, सीआरआरआई को सम्मानित किया।

RAC Reviews the Research Work

THE XVII Meeting of the Research Advisory Committee (RAC) was held at CRRI, Cuttack from 24 to 25 Sep 2011 under the Chairmanship of Dr R.B. Singh. The other Members were Drs C.L. Acharya, Shailaja Hittalmani, R. Sridhar, M.L. Lodha, S.L. Intodia, T.K. Adhya, Shri Digambar Mohapatra and Dr S.S. Rahangdale, with Dr R.N. Rao as the Member-Secretary. Dr B.C. Viraktamath, Director, DRR, ICAR, Hyderabad attended the meeting as a special invitee. The RAC reviewed the progress of work from 2010-2011. The Members also visited the experimental fields and the laboratories.

B. Behera

अनुसंधान सलाहकार समिति द्वारा समीक्षा

अनुसंधान सलाहकार समिति (आरएसी) की १७वीं समीक्षा बैठक २४ से २५ सितंबर २०११ के दौरान सीआरआरआई में डॉ.आर.बी. सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। डॉ. सी.एल. आचार्य, डॉ. शैलाजा हितालमणि, डॉ.आर. श्रीधर, डॉ. एम.एल. लोधा, डॉ.एस.एल. इन्तोदिया, डॉ. टी.के.आध्या, श्री दिगंबर महापात्र तथा डॉ.एस.एस. राहंगदले इस समिति के अन्य सदस्यगण थे। डॉ.आर.एन. राव इस समिति के सदस्य सचिव हैं। डॉ.बी.सी. विरक्तमथ, निदेशक, डीआरआर, भाकृअनुप, हैदराबाद इस बैठक में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अनुसंधान सलाहकार समिति ने वर्ष २०१०-२०११ के कार्य प्रगति की समीक्षा की। सदस्यों ने परीक्षण खेतों का भी परिदर्शन किया।

QRT Starts Evaluating Work from 2005-2009

THE newly constituted Quinquennial Review Team (QRT), under the Chairmanship of Dr E.A. Siddiq, started evaluating the research work of the CRRI for the period 2005 to 2009 by conducting a meeting at CRRI, Cuttack on 5 and 6 Jul 2011. The other Members were Drs P. Raghava Reddy, V. Balasubramanian, N. Ramakrishnan, A.N. Mukhopadhyay and Prof Anil K. Gupta. Dr J.N. Reddy is the Member-Secretary. The team visited various facilities at the CRRI, Cuttack. They followed this up with a visit to the CRRI Research Station CRURRS at Hazaribag, Jharkhand from 3 to 7 Sep 2011. The team also interacted with the senior officials of the State Department of Agriculture in Jharkhand and Bihar, as well as with the Directorate of Rice Development, Patna, Birsa Agricultural University, Ranchi, Bihar Agricultural University, Sabour and Rajendra Agricultural University, Samastipur with the objective of identifying the yield gap between research farms and farmers' fields, and the required technology to harness the full production potential of various rice ecologies in the region and to adapt the research work at the CRRI. The team also interacted with farmers who had taken up the technologies from the CRRI CRURRS, Hazaribag.

B. Behera

Top: The QRT Members evaluating work at the CRRI, Cuttack. Below: Dr E.A. Siddiq (third from right) discusses the progress in research at the CRURRS, Hazaribag.

CRURRS, Hazaribag

क्यूआरटी द्वारा २००५-२००९ कार्यों का मूल्यांकन

डॉ.ई.ए.सिद्दिक की अध्यक्षता में नवगठित पंचवार्षिक समीक्षा दल (क्यूआरटी) ने ५ से ६ जुलाई २०११ के दौरान सीआरआरआई, कटक में आयोजित बैठक में वर्ष २००५ से २००९ के दौरान सीआरआरआई में किए गए अनुसंधान कार्यों का मूल्यांकन किया। डॉ.पी.राघव रेड्डी, डॉ. बालसुब्रमणियन, डॉ.एन. रामकृष्णन, डॉ.ए.एन.मुखोपाध्याय तथा प्रोफेसर अनिल कुमार गुप्ता इस दल के अन्य सदस्य हैं। डॉ.जे.एन. रेड्डी इस समिति के सदस्य सचिव हैं। दल ने सीआरआरआई, कटक में उपलब्ध कई सुविधाओं को देखा। इसके बाद दल ने सीआरआरआई अनुसंधान केंद्र सीआरयूआरआरएस, हजारीबाग, झारखंड को ३ से ७ सितंबर २०११ के दौरान परिदर्शन किया। अनुसंधान प्रक्षेत्रों तथा किसानों के खेतों में उपज अन्तर की पहचान करने, पूरे क्षेत्र में विभिन्न चावल पारिस्थितिकियों के संपूर्ण उत्पादन क्षमता को उपयोग में लाने के लिए आवश्यक प्रौद्योगिकी का विकास करने तथा सीआरआरआई में अनुसंधान कार्य को अनुकूलित करने के लक्ष्य से झारखंड एवं बिहार राज्यों के कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों तथा चावल विकास निदेशालय, पटना, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची, बिहार कृषि विश्वविद्यालय, साबौर, समस्तिपुर के अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श किया। दल ने उन किसानों के साथ भी विचार-विमर्श किया जिन्होंने सीआरआरआई सीआरयूआरआरएस, हजारीबाग की प्रौद्योगिकियों को अपनाया है।

IJSC Meeting Held

THE 5th meeting of the Institute Joint Staff Council (2009-2012) was held on 17 Sep 2011 at CRURRS, Hazaribag under the Chairmanship of Dr T.K. Adhya, Director. The Members present were Dr Mayabini Jena, Shri N. Bhattacharya, Shri D.C. Sahoo, Shri P.C. Naik, Shri B.K. Sahoo, Shri P. Moharana, Shri S.B. Nayak, Shri D.K. Parida, Shri K.C. Bhoi, Shri Bipin Bihari Das, SSS, Shri Bijay Kumar Behera, and Shri Pravakar Bhoi. Dr. M. Variar, Principal Scientist and Officer-in-Charge, CRURRS, Hazaribag was present in the meeting as a special invitee. The meeting discussed the action taken report of the 4th meeting, discussed the agenda and finalized staff welfare measures.

आईजेएससी बैठक आयोजित

संस्थान संयुक्त स्टाफ परिषद (२००९-२०१२) की ५वीं बैठक १७ सितंबर २०११ को सीआरयूआरआरएस, हजारीबाग में डॉ. टी.के.आध्या, निदेशक की अध्यक्षता में संपन्न हुई। डॉ. मायाबिनी जेना, श्री एन.भट्टाचार्य, श्री डी.सी.साहु, श्री पी.सी.नाएक, श्री बी.के. साहु, श्री पी.महाराणा, श्री एस.बी. नायक, श्री डी.के.परिडा, श्री के.सी.भोई, श्री बिपीन बिहारी दास, कुशल सहायक कर्मचारी, श्री बिजय कुमार बेहेरा, तथा श्री प्रभाकर भोई इस बैठक में शामिल थे। डॉ.एम.वरियर, प्रभारी अधिकारी, सीआरयूआरआरएस इस बैठक में विशेष अतिथि के रूप से आमंत्रित किए गए थे। इस बैठक में चौथी बैठक की कार्रवाइयों पर चर्चा की गई, कार्यसूची पर विचार-विमर्श किया गया तथा कर्मचारियों हेतु कल्याणकारी उपायों को अंतिम रूप दिया गया।

Crop Seminar held at RRLRRS, Gerua

RRLRRS, Gerua

SHRI Nilamani Sen Deka, Hon'ble Minister of Agriculture, Government of Assam inaugurated and participated in the agricultural crop seminar "Amar Pathar Amar Katha" under "Mass Media Support to Agricultural Extension" of the Doordarshan Kendra, Guwahati in collaboration with RRLRRS, Gerua at RRLRRS, Gerua on 6 Aug 2011. The seminar provided a medium for scientists, Agricultural Officers from the State Department of Agriculture, Government of Assam, and farmers to interact and exchange information. The programme was telecast live by the Doordarshan Kendra, Guwahati. Dr T.K. Adhya, Director, CRRI spoke on the research activities of the CRRI and its Research Station at Gerua.

आरआरएलआरआरएस, गेरुआ में फसल संगोष्ठी आयोजित

श्री नीलमणि सेन डेका, माननीय कृषि मंत्री, असम सरकार ने ६ अगस्त २०११ को दूरदर्शन केंद्र, गुवाहाटी तथा आरआरएलआरआरएस, गेरुआ के सहयोग से ''मास मिडिया सपोर्ट टू एग्रीकल्चराल एक्सटेन्शन' कार्यक्रम के तहत 'आमार पाथार आमार काथा' शीर्षक एक फसल संगोष्ठी का उदघाटन किया तथा भाग लिया। यह संगोष्ठी असम सरकार के कृषि विभाग के वैज्ञानिकों, कृषि अधिकारियों तथा किसानों के बीच विचार-विमर्श तथा जानकारी आदान प्रदान करने के लिए एक माध्यम है। इस कार्यक्रम को दूरदर्शन केंद्र, गुवाहाटी में लाइव प्रसारित किया गया था। डॉ. टी.के.आध्या, निदेशक ने सीआरआरआई के अनुसंधान कार्यकलापों तथा इसके गेरुआ केंद्र के विषय में कहा।

Government of Odisha Identifies CRRI as Nodal Resource Unit for Biotechnology

THE Government of Odisha has identified CRRI, Cuttack as a nodal resource unit for biotechnology. Shri D.N. Gupta, IAS Commissioner-cum-Secretary (Biotechnology), Government of Odisha, Shri S. Rath and Shri Jyoti Patnaik visited CRRI Cuttack on 29 Sep 2011 to discuss the programme on rice biotechnology being carried out at the CRRI, and requested the scientists of this institute to help develop the biotechnology programme in Odisha.

नोडल रिसोर्स यूनिट के रूप में पहचान

ओडिशा सरकार द्वारा जैवप्रौद्योगिकी के लिए सीआरआरआई, कटक को एक नोडल रिसोर्स यूनिट के रूप में पहचान किया गया है। श्री डी.एन. गुप्ता, आईएएस, आयुक्त-सह-सचिव (जैवप्रौद्योगिकी), ओडिशा सरकार, श्री एस. रथ तथा श्री ज्योति पटनायक ने सीआरआरआई में चावल जैवप्रौद्योगिकी पर हो रहे कार्यक्रम के बारे में विचार-विमर्श करने के लिए २९ सितंबर २०११ को सीआरआरआई, कटक का परिदर्शन किया तथा ओडिशा में जैवप्रौद्योगिकी कार्यक्रम को विकसित करने हेतु इस संस्थान के वैज्ञानिकों से सहायता करने के लिए अनुरोध किया।

Dr T.K. Adhya Receives ICAR Norman Borlaug Award 2010

SHRI Sharad Pawar, Hon'ble Union Minister of Agriculture, Government of India, gave the ICAR Norman Borlaug Award 2010 to Dr T.K. Adhya, during the ICAR Foundation Day on 16 Jul 2011 at New Delhi. Dr T.K. Adhya was given this award for outstanding studies on "Methane Production in Paddy Fields" that involved "Significant contributions in the frontier areas of agro-environmental science and natural resource management with tropical rice soil as the model ecosystem."

Courtesy: ICAR, New Delhi

डॉ. टी.के.आध्या को आईसीएआर नॉरमैन बोरलौग २०१० पुरस्कार

श्री शरद पवार, माननीय केंद्रीय कृषि मंत्री, भारत सरकार ने १६ जुलाई २०११ को नई दिल्ली में आयोजित आईसीएआर स्थापना दिवस के अवसर पर डॉ. टी.के.आध्या को आईसीएआर नॉरमैन बोरलौग २०१० पुरस्कार से सम्मानित किया। डॉ. टी.के.आध्या को 'मिथेन प्रोडक्शन इन पैडी फिल्ड्स दैट इनवॉल्वड सिग्नीफिकान्ट कन्ट्रीब्यूशन्स इन द फ्रनटीयर एरियाज ऑफ एग्रो-इनवायरनमेन्टाल साइंस एंड नैचुरल रिसोर्स मैनेजमेंट विथ ट्रोपिकल राइस सॉइल एज द मॉडल इकोसिस्टम' पर महत्वपूर्ण अध्ययन के लिए पुरस्कार प्रदान किया गया।

Independence Day Celebrated

THE CRRI celebrated the 65th Independence Day at its main campus in Cuttack. Dr T.K. Adhya, Director unfurled the National Flag.

Training Programme Held

MORE than 100 hundred farmers, extension functionaries and scientists attended a one day training programme on "Protection of Plant Varieties and Farmers' Rights Act-2011" at the CRRI, Cuttack on 13 Sep 2011. The programme was jointly organized by the CRRI, Cuttack and the Government of Odisha. The objective of the training programme was to sensitize the farmers in the protection of plant varieties and farmers' rights.

Krishi Vigyan Kendras

Santhapur, Cuttack

Training: A total of 13 training programmes were conducted for 25 farmers each on "Scientific Nursery Raising of Paddy," "Management of Insect Pest in Paddy Nursery," "Management of Diseases in Paddy Nursery," "Water Management in Rice in Rainfed Situation," "Integrated Nutrient Management in Rice," "Method of Increasing N-use Efficiency in Rice for Higher Production," Management of Nutritional Garden," "Method of Sowing and Formation, Method of Planting and Fertilizer Management in Mango" and "Mushroom Cultivation for Nutritional Security in Rural Area". A total of 325 farmers and farmwomen were benefitted.

Jainagar, Koderma

Training: A total of 21 training programmes were conducted for a total of 498 farmers, farmwomen and rural youth on "Seed Treatment of *Kharif* Cereal," "Oilseed and Pulse Crops," "Breed Improvement of Deshi Cow," INM in Rice," "ICM in Mustard Crop," "IPM in Rice," "Vegetable Cultivation through Low Tunnel," "Production Techniques of Winter Season Vegetables," "Vaccination Schedule of Poultry," Prevention and Control of PPR in Goat," "Drudgery Reduction in Farm Operation for Farmwomen," "Storage of Foodgrains in Local Condition," "Seed Production Technique in Rice," "Technique of Micro-irrigation in Vegetable Crops Grading," "Packaging and Marketing of Vegetable Crop," "Preparation of Vermicompost, Vermiwash and its Uses," "Off-season Vegetable Cultivation," "Importance of Balanced Diet for Girl," "Resource Conservation Technologies," "Integrated Pest Management," "Conduction of FLD in Farmer's Field," and "Role of Micro-nutrient in Reproductive Performance of Cattle."

स्वतंत्रता दिवस मनाया गया

सीआरआरआई ने कटक में अपनी परिसर में ६५वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। डॉ. टी.के.आध्या, निदेशक ने राष्ट्रीय झंडा फहराया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

सीआरआरआई, कटक में १३ सितंबर २०११ को 'पौध किस्मों की सुरक्षा तथा किसान अधिकार अधिनियम-२०११' पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें १०० से अधिक किसान, विस्तार कार्मिक तथा वैज्ञानिक ने भाग लिया। ओडिशा सरकार तथा सीआरआरआई, कटक द्वारा संयुक्त रूप से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। किसान समुदाय में पौध किस्मों की सुरक्षा तथा किसान अधिकारों के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने के लक्ष्य से इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

कृषि विज्ञान केंद्र

संथपुर, कटक

प्रशिक्षण: 'वैज्ञानिक तरीके से धान की नर्सरी तैयारी', 'धान नर्सरी में नाशककीट का प्रबंधन', 'धान नर्सरी में रोगों का प्रबंधन', 'वर्षाश्रित परिस्थिति में चावल की खेती के लिए जल प्रबंधन', 'चावल में समन्वित पोषक प्रबंधन', 'अधिक उत्पादन के लिए चावल में नत्रजन प्रयोग क्षमता की वृद्धि की विधि', 'पौष्टिक वाटिका का प्रबंधन', 'बुआई एवं बनावट की विधि', 'आम में रोपाई की विधि तथा उर्वरक प्रबंधन', 'ग्रामीण क्षेत्र में पौषणिक सुरक्षा के लिए मशरूम खेती' विषयों पर कुल १३ प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया और प्रत्येक प्रशिक्षण में २५ किसानों को प्रशिक्षित किया गया। कुल ३२५ किसानों तथा महिला किसानों को लाभ मिला।

जयनगर, कोडरमा

प्रशिक्षण: कुल ४९८ किसान, महिला किसान तथा ग्रामीण युवकों के लिए 'खरीफ फसल के लिए बीज उपचार', 'तेलबीज तथा दलहन फसल', 'देशी गाय की नस्ल सुधार', ' चावल में समन्वित पोषक प्रबंधन', 'सरसों में समन्वित फसल प्रबंधन', 'चावल में नाशककीट का प्रबंधन', 'कम गहराई सुरंग में सब्जियों की खेती', 'शीत मौसम सब्जियों की खेती के लिए उत्पादन तकनीके', 'कुक्कुट पालन में टीका सूची', 'बकरी में पीपीआर की रोकथाम एवं प्रबंधन', 'महिला किसानों के लिए खेत में मजदूरी का घटाव', 'स्थानीय दशा में खाद्यान्नों का भंडारण', 'चावल में बीज उत्पादन की तकनीक', 'सब्जी फसल श्रेणीकरण में लघु-सिंचाई की तकनीक', 'सब्जी फसलों का पैकेजिंग एवं मार्केटिंग', 'कृमिकंपोस्ट की तैयारी एवं इसके प्रयोग' , 'गैर-मौसम सब्जी खेती', 'लड़कियों के लिए संतुलित खाद्य का महत्व', 'संसाधन संरक्षण प्रौद्योगिकियां', 'समन्वित नाशककीट प्रबंधन', 'किसानों के खेतों में अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन' तथा गोधन के प्रजनन निष्पादन में सूक्ष्म-पोषकों की भूमिका' विषयों पर कुल २१ प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया ।

Symposia/Seminars/Conferences/Trainings/ Visits/Workshops Attended

DR T.K. Adhya attended a selection committee meeting at ASRB, New Delhi on 9 Jul 2011.

Dr T.K. Adhya attended a meeting at the NAAS, New Delhi, on 13 Jul 2011.

Dr T.K. Adhya attended the Directors' Conference and Foundation Day Ceremony of ICAR from 14 to 16 Jul 2011.

Dr G.A.K. Kumar and Shri S.K. Sethi attended the "NKN-GARUDA Partners Meet" organized by C-DAC, Knowledge Park, Bangalore from 15 to 16 Jul 2011.

Shri Daniel Khuntia and Kum Sandhya Rani Dalal attended a training programme on using Hindi in computers at NPTI, Durgapur from 18 to 22 Jul 2011.

Smt Sujata Sethy attended a training course on "Mushroom Production Technology" at the National Research Centre for Mushroom, Solan, Himachal Pradesh from 21 to 27 Jul 2011.

Dr K.B. Pun participated in the seminar "Jalavayu Parivartan Aaru Krishi Vyavasthapana" organized by the KVK, Nalbari on 29 Jul 2011.

Dr K.B. Pun participated in the meeting convened by the Director, Department of Agriculture, Government of Assam, on 30 Jul 2011 for implementing BGREI in Assam and to plan for the BGREI programme for *rabi* 2011-12.

Drs S.G. Sharma, R.K. Sarkar and Avijit Das attended and participated in the brainstorming session on "Prioritization of Plant Physiology and Biochemistry Research for the 12^{th} Five Year Plan Period" at IARI, New Delhi from 5 to 6 Aug 2011.

Dr T.K. Adhya participated in a Crop Seminar under the "Mass Media Support to Agricultural Extension" of Doordarshan Kendra, Guwahati at RRLRRS, Gerua on 6 Aug 2011.

Drs B.N. Sadangi and Lipi Das attended the National Consultation on "Gender Prospective in Agriculture," organized by the ICAR, New Delhi in NAAS Complex, New Delhi from 8 to 9 Aug 2011.

Drs K.B. Pun and N. Bhakta participated in the 3^{rd} State Seed Sub-Committee meeting, convened by the Director, Department of Agriculture, Government of Assam on 11 Aug 2011.

Dr D.P. Singh attended an Awareness Meeting of Bringing Green Revolution to Eastern India (BGREI) at Lucknow, Uttar Pradesh. He also undertook a field tour for monitoring of on-farm demonstrations and other activities under BGREI in Pratapgarh, Allahabad and Jaunpur districts from 11 to 21 Aug 2011.

परिसंवाद/संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला/प्रशिक्षण में प्रतिभागिता

डॉ. टी.के.आध्या ने ९ जुलाई २०११ को नई दिल्ली में एएसआरबी की एक चयन समिति बैठक में भाग लिया।

डॉ. टी.के.आध्या ने १३ जुलाई २०११ को नई दिल्ली में एनएएएस की एक बैठक में भाग लिया।

डॉ. टी.के.आध्या ने १४ से १६ जुलाई २०११ के दौरान नई दिल्ली में आयोजित आईसीएआर स्थापना दिवस तथा निदेशक सम्मेलन में भाग लिया।

डॉ.जी.ए.के. कुमार तथा श्री एस.के. सेठी ने १५ से १६ जुलाई २०११ के दौरान नालेज पार्क, बैंगलोर में सी-डैक द्वारा आयोजित 'एनकेएन-गरुड सहयोगी बैठक' में भाग लिया।

श्री दानिएल खुंटिया तथा कुमारी संध्याराणी दलाल ने १८ से २२ जुलाई २०११ के दौरान एनटीपीआई, दुर्गापुर में आयोजित हिंदी कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

श्रीमती सुजाता सेठी ने २१ से २७ जुलाई २०११ के दौरान राष्ट्रीय मशरूम अनुसंधान केंद्र, सालन, हिमाचल प्रदेश में 'मशरूम उत्पादन प्रौद्योगिकी' पर आयोजित एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

डॉ.के.बी.पुन ने २९ जुलाई २०११ को कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा नालबारी में 'जलवायु परिवर्तन और कृषि व्यवस्थापना' पर आयोजित एक संगोष्ठी में भाग लिया।

डॉ.के.बी.पुन ने ३० जुलाई २०११ को असम में बीजीआरईआई कार्यक्रम के कार्यन्वयन के लिए तथा वर्ष २०११-१२ के रबी के दौरान बीजीआरईआई कार्यक्रम की योजना बनाने के लिए असम सरकार के कृषि विभाग के निदेशक द्वारा आयोजित बैठक में भाग लिया।

डॉ.एस.जी. शर्मा, डॉ.आर.के. सरकार, डॉ.अभिजीत दास ने ५ से ६ अगस्त २०११ के दौरान आईएआरआई, नई दिल्ली में आयोजित '१२वीं पंचवार्षिकी योजना अवधि के लिए पौध शरीरकार्यिकी तथा जीवरसायन अनुसंधान की प्राथमिकताएं' पर आयोजित बैठक में भाग लिया तथा बुद्धि मंथन सत्र में भी भाग लिया।

डॉ. टी.के.आध्या ने ६ अगस्त २०११ को आरआरएलआरआरएस, गेरुआ में 'मास मिडिया सपोर्ट टू एग्रीकल्चराल एक्सटेन्शन' कार्यक्रम के तहत एक फसल संगोष्ठी में भाग लिया।

डॉ. बी.एन.सडंगी तथा डॉ. लिपि दास ने ८ से ९ अगस्त २०११ के दौरान भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा नई दिल्ली में एनएएएस कांप्लैक्स में 'कृषि में लैंगिक परिप्रेक्ष्य' पर आयोजित राष्ट्रीय परामर्श की एक बैठक में भाग लिया।

डॉ.के.बी.पुन तथा डॉ.एन.भक्त ने ने ११ अगस्त २०११ को असम सरकार के कृषि विभाग के निदेशक द्वारा आयोजित राज्य बीज उप-समिति की तीसरी बैठक में भाग लिया।

डॉ.डी.पी.सिंह ने लखनऊ, उत्तर प्रदेश में 'पूर्वी भारत में हरित क्रांति आरंभ करने के लिए' कार्यक्रम से संबंधित एक जागरूकता बैठक में भाग लिया। उन्होंने उपरोक्त कार्यकम के तहत ११ से २१ अगस्त २०११ के दौरान प्रतापगढ़, इलाहाबाद तथा जौनपुर जिलों के

Dr V.D. Shukla attended a meeting of BGREI at SAMETI Bhawan, Ranchi on 11 Aug 2011.

Dr S.R. Dhua visited Balianta and Balipatna in Khurda district, Salepur and Tangi-Chowdar Block in Cuttack district for monitoring of Farmers' varieties seed multiplication and DUS testing programme plots on 22 Aug 2011.

Drs B.N. Sadangi and N.N. Jambhulkar attended the meeting for organizing the "Regional Agriculture Fair" at the Department of Agriculture and Cooperation, Ministry of Agriculture at Krishi Bhawan, New Delhi on 23 Aug 2011.

Dr Dipankar Maiti attended the 1st Task Force (Agricultural Biotechnology) meeting of DBT at TNAU, Coimbatore on 24 Aug 2011 and presented the progress of the DBT funded project on Arbuscular Mycorrhiza.

Dr T.K. Adhya attended a meeting with the Director-General, ICAR and the Deputy Director-General (Crop Sciences), ICAR, New Delhi at Krishi Bhavan, New Delhi on 29 Aug 2011.

Dr O.N. Singh visited the Indira Gandhi Agricultural University, Raipur as an Expert for a viva-voce on 29 Aug 2011.

Dr T.K. Adhya attended a meeting with the Director, IARI for the upcoming CAC meeting of NAIP component-3 project at New Delhi on 30 Aug 2011.

Institute Seminar

Dr T. Mohapatra, NRC, Biotechnology, IARI, New Delhi on "Bio-prospecting and Allele Mining in Rice" on 25 Jul 2011.

Dr N. Raghuram, Associate Professor, School of Biotechnology, GGS Indraprastha University, Dwarka, New Delhi on "Functional Genomics of Nitrate Response and N-use Efficiency in Rice" on 27 Aug 2011.

Kum N. Mangal, Group Co-ordinator, Grid Application and Tools and Kum Janaki Chintalapati of C-DAC, Bangalore on "Potentials and Applications of NKN and GARUDA" on 12 Sep 2011.

Foreign Deputation

Dr T.K. Adhya, Director attended a workshop on "Agriculture, Food Security and Green House Gas (GHG) Accounting Workshop" at San Diego, California, USA from 7 to 9 Sep 2011.

Dr M.S. Anantha attended the workshop on "Genetic Challenge Program (GCP): Targeting drought avoidance root traits to enhance rice productivity under water-limited environment" at IRRI, Philippines from 12 to 16 Sep 2011.

किसानों के खेतों में प्रदर्शनों एवं अन्य कार्यकलापों की निगरानी करने के लिए खेत दौरा भी किया।

डॉ.वी.डी. शुक्ला ने ११ अगस्त २०११ को समेती भवन, रांची में बीजीआरईआई कार्यक्रम की एक बैठक में भाग लिया।

डॉ.एस.आर. धुआ ने २२ अगस्त २०११ को खुर्दा जिले के बालियंता तथा बालीपाटणा में तथा कटक जिले के सालेपुर एवं टांगी-चौद्वार प्रखंड में किसानों द्वारा अपनाए गए चावल किस्मों के बीज का उत्पादन तथा डीयूएस परीक्षण की निगरानी करने के लिए दौरा किया।

डॉ. बी.एन.सडंगी तथा डॉ. एन.एन.जांबुलकर ने २३ अगस्त २०११ को 'क्षेत्रीय कृषि मेला' आयोजन करने के लिए कृषि एवं सहकारिता विभाग, कृषि मंत्रालय द्वारा कृषि भवन में आयोजित बैठक में भाग लिया।

डॉ. दिपांकर मैती ने २४ अगस्त २०११ को टीएनएयू, कोयंबाटुर में जैवप्रौद्योगिकी विभाग की पहली टास्क फोर्स (कृषि जैवप्रौद्योगिकी) की बैठक में भाग लिया तथा जैवप्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्तपोषित आर्बुस्क्यूलार माइकोरिहजा शीर्षक परियोजना की प्रगति को प्रस्तुत किया।

डॉ. टी.के.आध्या ने २९ अगस्त २०११ को कृषि भवन, नई दिल्ली में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक तथा परिषद के उप महानिदेशक (फसल विज्ञान) के साथ एक बैठक में भाग लिया।

डॉ.ओ.एन. सिंह ने २९ अगस्त २०११ को इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर में विशेषज्ञ के रूप में एक साक्षात्कार कार्यक्रम में भाग लिया।

डॉ. टी.के.आध्या ने ३० अगस्त २०११ को आईएआरआई, नई दिल्ली के निदेशक के साथ एनएआईपी घटक-३ परियोजना की भावी सीएसी कार्यक्रम से संबंधित बैठक में भाग लिया।

संस्थान सेमिनार

डॉ.टी. महापात्र, एनआरसी, जैवप्रौद्योगिकी, आईएआरआई, नई दिल्ली ने २५ जुलाई को 'चावल में अलेल खनन तथा जैव संभावनाएं' पर एक सेमिनार व्याख्यान दिया।

डॉ.एन.रघुराम, सहायक प्रोफेसर, स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, जीजीएस इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, द्वारका, नई दिल्ली ने २७ अगस्त २०११ को 'नाइट्रेट प्रतिक्रिया की क्रियाशीलता तथा चावल में नत्रजन प्रयोग क्षमता' पर एक सेमिनार व्याख्यान दिया।

कुमारी एन.मंगल, समूह समन्वयक, ग्रीड एप्लीकेशन एंड टूल्स् तथा कुमारी जानकी चिंतालपति, सी-डैक, बैंगलोर ने १२ सितंबर २०११ को 'एनकेएन तथा गरुड के क्षमताएं तथा प्रयोग' पर एक सेमिनार व्याख्यान दिया।

विदेश प्रतिनियुक्ति

डॉ. टी.के.आध्या ने ७ से ९ सितंबर २०११ के दौरान सान डिएगो, कालिफोर्निया, संयुक्त राष्ट्र अमेरिका में 'कृषि, खाद्य सुरक्षा तथा ग्रीन हाउस गैस अकाउटिंग कार्यशाला' में भाग लिया।

डॉ.एम.एस. अनंत ने १२ से १६ सितंबर २०११ को आईआरआरआई, फिलीपाइन्स में 'जेनेटिक चुनौती कार्यक्रम:सीमित जल पर्यावरण में चावल उत्पादकता की वृद्धि के लिए सूखा प्रवण क्षेत्रों का परिहार' पर आयोजित एक कार्यशाला में भाग लिया।

Appointment

SHRI Arabinda Bisoi joined as Driver at KVK, Santhapur, Cuttack on 1 Jul 2011.

Dr K.S. Rao joined as Head, Division of Crop Production at CRRI, Cuttack on 2 Aug 2011.

Dr V. Kasthuri Thilagam joined as Scientist (Soil Science / Soil Chemistry / Fertility and Microbiology) at CRRI, Cuttack on 3 Sep 2011.

Dr Ramlakhan Verma joined as Scientist (Genetics) at CRRI, Cuttack on 5 Sep 2011.

Shri J. Berliner joined as Scientist (Nematology) at CRRI, Cuttack on 5 Sep 2011.

नियुक्ति

श्री अरबिंद बिसोई ने कृषि विज्ञान केंद्र, संथपुर, कटक में १ जुलाई २०११ से चालक के पद में सेवारंभ किया।

डॉ.वी.कस्तुरी थिलागम ने सीआरआरआई, कटक में ३ सितंबर २०११ को वैज्ञानिक के पद में (मृदाविज्ञान/मृदा रसायन/उर्वरता तथा सूक्ष्मजीवविज्ञान) सेवारंभ किया।

डॉ. रामलखन वर्मा ने सीआरआरआई, कटक में ५ सितंबर २०११ को वैज्ञानिक के पद (आनुवंशिकी) में सेवारंभ किया।

श्री जे. बरलाइनर ने सीआरआरआई, कटक में ५ सितंबर २०११ को वैज्ञानिक के पद (नेमाटोलोजी) में सेवारंभ किया।

Promotion

SHRI Dhaneswar Muduli and Shri Satish Kumar Pande from SSS to LDC w.e.f. 4 Jul 2011.

पदोन्नति

श्री धनेश्वर मुदुली तथा श्री सतीश कुमार पांडे का कुशल सहायक कर्मचारी से निम्न श्रेणी लिपिक पद में ४ जुलाई २०११ को पदोन्नति मिली।

Transfer

SHRI Dhaneswar Muduli, LDC transferred from KVK, Santhapur to CRRI, Cuttack on 4 Jul 2011.

Dr K. Vanitha, Scientist transferred from CRRI, Cuttack to Directorate of Cashew Research, Puttur on 6 Aug 2011.

Shri D.S. Meena, T-6 transferred from CRRI, Cuttack to NBPGR, New Delhi on 30 Aug 2011.

Shri R.C. Pradhan, Assistant transferred from CRRI, Cuttack to RRLRRS, Gerua on 9 Sep 2011.

तबादला

श्री धनेश्वर मुदुली, निम्न श्रेणी लिपिक का कृषि विज्ञान केंद्र, संथपुर से ४ जुलाई २०११ को सीआरआरआई, कटक में तबादला हुआ।

डॉ.के. वनिता, वैज्ञानिक का सीआरआरआई, कटक से ६ जुलाई २०११ को काजू अनुसंधान निदेशालय, पुटूर में तबादला हुआ।

श्री डी.एस. मीणा, टी-६ का सीआरआरआई, कटक से ३० अगस्त २०११ को एनबीपीजीआर, नई दिल्ली में तबादला हुआ।

श्री आर.सी. प्रधान, सहायक का सीआरआरआई, कटक से ९ सितंबर २०११ को आरआरएलआरआरएस, गेरुआ में तबादला हुआ।

Retirement

SHRI P.K. Nayak, T-5 on 31 Jul 2011.

Er B.C. Parida, Principal Scientist and Shri H.C. Das, T-5 on 31 Aug 2011.

Dr T.K. Adhya, Director, CRRI on 30 Sep 2011.

सेवानिवृत्ति

श्री पी.के.नायक, टी-५ ३१ जुलाई २०११ को सेवानिवृत्त हुए।

इंजीनियर बी.सी. परिड़ा प्रधान वैज्ञानिक तथा श्री एच.सी.दास, टी-५ ३१ अगस्त २०११ को सेवानिवृत्त हुए।

डॉ. टी.के.आध्या, निदेशक, सीआरआरआई ३० सितंबर २०११ को सेवानिवृत्त हुए।

Publications

DAS, S., Bhattacharyya, P., and Adhya, T.K., 2011. Interaction effects of elevated CO_2 and temperature on microbial biomass and enzyme activities in tropical rice soils. *Environ. Monitor. Assess.* 182: 555–569.

Datta, A., Santra, S.C., and Adhya, T.K., 2011. Relationship between CH_4 and N_2O flux from soil and their ambient mixing ratio in a riparian rice-based agroecosystem of tropical region. *J. Environ. Monitor.* DOI: 10.1039 / C1EM10478K.

Maiti, D., Variar, M., and Singh, R.K., 2011. Rice-based crop rotation for enhancing native arbuscular mycorrhizal (AM) activity to improve phosphorus nutrition of upland rice (*Oryza sativa* L.). *Biol. and Fert. of Soils* (On-line) DOI: 10.1007 / s00374-011-0609-6.

निदेशक की कलम से: टी.के. आध्या

From the Director's Desk: T.K. Adhya

ESTABLISHED 65 years ago in the backdrop of the 'Great Bengal Famine,' the Central Rice Research Institute, Cuttack, with passage of time, has gained extensively in research strength and outputs. Newer technologies have been created for the farmers with state-of-the-art equipments and cutting edge technologies. The CRRI is now completely geared-up to tackle challenges posed by the changing environment and associated biotic and abiotic stresses, genetic breakdown and segregation in rice varieties and responding to distress calls from rice farmers of India. The CRRI has been aggressively pursuing national and international linkages to enable its technologies to reach the target farmers and to implement its Mandate. As part of these efforts, the CRRI is the Nodal Agency for the implementation of the Government of India project "Bringing Green Revolution to Eastern India (BGREI)." Scientists from the CRRI and its Research Stations and KVKs are involved in technical backstopping to increase the production and productivity in farmers' fields in Orissa, Chhattisgarh, Jharkhand, Bihar, West Bengal, eastern Uttar Pradesh and Assam. This is being implemented in collaboration with the respective State Department of Agriculture, ATMA and KVKs. I will be laying down the office of Director on my attaining age of superannuation. But I am sure that with the necessary infrastructure in place at the CRRI it will enable the institute to develop technologies to face the new emerging challenges.

केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान की स्थापना कटक में ६५ वर्ष पूर्व 'ग्रेट बंगाल अकाल' की पृष्ठभूमि में हुई थी। समय बीतने के साथ-साथ संस्थान ने अनेक अनुसंधान उपलब्धियां हासिल की हैं और कृषि क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अत्याधुनिक उपकरणों एवं अद्यतन प्रौद्योगिकियों के विकास द्वारा किसान समुदाय को लाभ मिला है। सीआरआरआई अब बदलते परिवेश तथा जैविक एवं अजैविक दबावों से जुड़े चुनौतियों, आनुवंशिक विकार एवं चावल किस्मों में अलगाव से निपटने तथा भारत के चावल किसानों से संकट प्रश्नों का जबाव देने के लिए पूरी तरह से सक्षम है। सीआरआरआई अपना अधिदेश को लागू करने तथा लक्ष्य किसानों तक अपनी प्रौद्योगिकियों को पहुंचाने के लिए राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय संबंधों को मजबूती से कायम रखा है। इन प्रयासों के भाग के रूप में, केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान को भारत सरकार का 'पूर्वी भारत में हरित क्रांति आरंभ करने के लिए' नामक परियोजना का नोडल एजेंसी के रूप में चुना गया है। उड़ीसा, छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, पूर्वी उत्तर प्रदेश और असम के किसानों के खेतों में उत्पादन और उत्पादकता की वृद्धि के लिए सीआरआरआई तथा इसके अनुसंधान केंद्रों एवं कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिक अपनी तकनीकी योगदान कर रहे हैं। यह संबंधित राज्य कृषि विभाग, आत्मा और कृषि विज्ञान केंद्रों के सहयोग से कार्यान्वित की जा रही है। मेरे अधिवर्षिता की आयु प्राप्त होने के कारण मैं निदेशक की पद से सेवानिवृत्त हो रहा हूं। लेकिन मुझे विश्वास है कि सीआरआरआई में मौजूद आवश्यक बुनियादी सुविधाओं से यह संस्थान उभरती हुई नई चुनौतियों का सामना करने हेतु प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के लिए सक्षम हो जाएगा।

Director: T.K. Adhya

Coordination: B.N. Sadangi

Compilation: Sandhya Rani Dalal

Hindi translation: G. Kalundia and B.K. Mohanty

Editor: Ravi Viswanathan

Visit us at:

Laser typeset at the Central Rice Research Institute, Indian Council of Agricultural Research, Cuttack (Orissa) 753 006, India, and printed in India by the Print-Tech Offset Pvt. Ltd., Bhubaneswar (Orissa) 751 024.
Published by the Director, for the Central Rice Research Institute, ICAR, Cuttack (Orissa) 753 006.